परामर्शी परियोजना

भारत तथा विदेश में सम्पन्न परियोजनाओं ने भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के जनशक्ति संसाधन को बदलती हुई जलवायु व भौगोलिक परिस्थितियों में कार्य करने का बहुमूल्य अनुभव प्रदान किया । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने हवाई अड्डा योजना निर्माण, रख-रखाव तथा प्रचालन के लगभग प्रत्येक पहलू में विशे-ज्ञों का विकास किया है । प्रत्येक परियोजना की विशि-ट अपेक्षा प्राप्त करने के व्यक्ति के विशे-ा गुणों के पूर्ण लाभ प्राप्त करने हेतु परियोजना दल खास तौर पर विकसित किए जाते है । ्परियोजना दल में ग्राहक के साथ समन्वय कर कार्य करने हेतु तकनीकी विशे-ज्ञों व योजना प्रबंधकों की समीक्षा कमेटी होती है । ग्राहकों के साथ प्रभावशाली समन्वय के परिणामस्वरूप, परियोजना को अत्यधिक किफायत व समय पर सम्पन्न करना सुनिश्चित किया जाता है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के परामर्शी प्रभाग में दिक्चालन सुविधाएं, संचार, विमान यातायात-नियन्त्रण , विमानपत्तन टर्मिनल प्रचालन, विमान सुरक्षा, सुरक्षा एवं लेखा-कार्यकलापों के विशे-ज्ञों के अतिरिक्त हवाई अड्डा नियोजक, विमानन भूमि संयन्त्र विशे-ज्ञों, सिविल इलैक्ट्रीकल नियोजक तथा इलैक्ट्रौनिक्स इंजीनियर शामिल है । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने भारत तथा विदेश में हवाई अड्डा परामर्शी एवं निर्माण के क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाए हाथ में ली है । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की अनूठी विशे-ज्ञता, कुछ परियोजनाओं के उदाहरण से स्प-ट है । अलजीरिया, नारू एवं तनजाइना गणतंत्र में परामर्शी परियोजना सहित लीबिया दक्षिण यमन एवं मालदीव गणराज्य में 200 मिलियन अमेरिकी डालर से अधिक लागत की हवाई अड्डा निर्माण परियोजनाओं का कार्य पूरा किया जा चुका है । इसके अतिरिक्त भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण विमानपत्तन भू-सुविधाओं के अंश-शोधन हेतु सन् 1985 से पूर्ण सुसज्जित उड़ान जांच विमान उपलब्ध करा रही है । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने बांग्लादेश , बर्मा , भूटान, लाओस, मालदीव नेपाल तथा वियतनाम को अंशशोधन सेवाएं प्रदान की है । संचार राडार एवं दिक्चालन सुविधाओं सहित विमान यातायात प्रबंधन प्रति-ठापन, भू - सुविधाओं के प्रचालन के क्षेत्र में अनेक देशों को अपने विशे-ज्ञों की सेवाएं प्रदान की है ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण विशे-ज्ञों ने इन कार्यो को अफगानिस्तान, इराक, लीबिया, नेपाल, तथा वियतनाम में नि-पादित किया । चार प्रशिक्षण संस्थानों ने अफगानिस्तान , भूटान, घाना, लाओस, माले, नेपाल, वियतनाम एवं जांबिया के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान किया ।